रविवार, 26 अप्रैल, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

लखनऊ सुपर जायंट्स को बड़ा झटका, एनरिख नॉर्खिया टूर्नामेंट से बाहर

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

शाहरुख़ ख़ान की 'किंग' का ऐलान,

Page-05

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में प्रस्तावित अमेरिका-ईरान वार्ता पर संकट गहराता जा रहा है।कामरान खान के अनुसार, सख्त शर्तों के कारण बातचीत आगे बढ़ती नहीं दिख रही है।कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भी दोनों देशों के बीच सहमति बनने की संभावनाएं लगातार कम होती जा रही हैं।

शर्तों के चलते बातचीत ठप

इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान वार्ता पर संकट

- **इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान वार्ता का दूसरा दौर अनिश्चित, तेहरान अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मिलने को तैयार नहीं।**
- **ईरान ने स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़ पर अमेरिकी नाकेबंदी हटाने की शर्त रखी, जिससे गतिरोध बढ़ा।**

इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित वार्ता फिर से शुरू होने की कोशिशें कमजोर पड़ती नजर आ रही हैं। पाकिस्तान के मीडिया संस्थान ARY News के चेयरमैन कामरान खान के अनुसार, तेहरान फिलहाल अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मिलने के लिए तैयार नहीं है, जिससे दूसरे दौर की बातचीत पर अनिश्चितता बढ़ गई है।कामरान खान ने सोशल मीडिया पर साझा जानकारी में बताया कि विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार इस्लामाबाद में प्रस्तावित दूसरे दौर की वार्ता की संभावनाएं तेजी से खत्म हो रही हैं। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल, जिसकी अगुवाई स्टीव विटकॉफ़ कर रहे हैं और जिसमें जेरेड कुशनर भी शामिल हैं, के वॉशिंगटन से पहुंचने की उम्मीद थी, लेकिन ईरान की सख्त शर्तों ने गतिरोध पैदा कर दिया है।ईरान ने स्पष्ट किया है कि बातचीत आगे बढ़ाने से पहले अमेरिका को रणनीतिक रूप से अहम स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़ से जुड़ी नौसैनिक नाकेबंदी हटानी होगी। इस शर्त के चलते दोनों देशों के बीच सहमति बनती नहीं दिख रही है।इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के इस्लामाबाद पहुंचने के बाद शुरुआती उम्मीदें जगी थीं, लेकिन हालिया घटनाक्रम से वार्ता की राह और कठिन हो गई है।पाकिस्तान की राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। मुख्य सड़कों को बंद कर 'रेड ज़ोन' को पूरी तरह सील कर दिया गया है। इससे पहले 21 घंटे तक चली पिछली वार्ता भी बिना किसी ठोस नतीजे के खत्म हो गई थी, जिसकी अगुवाई जेडी वेंस और एम.बी. ग़ालिबफ़ ने की थी।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल निजीकरण प्रस्ताव पर गंभीर चिंता, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

एक स्वतंत्र एयर नेविगेशन सर्विसेज (ANS) संरचना के बिना हवाई यातायात नियंत्रण (ATC) सेवाओं में निजी भागीदारी शुरू करने के प्रस्ताव पर गंभीर चिंता जताई गई है। संबंधित एसोसिएशन ने कहा है कि यह कदम मौजूदा राष्ट्रीय क्षमता को मजबूत करने के बजाय उसे कमजोर कर सकता है।संस्था के अनुसार, यदि एएनएस को एक स्वायत्त इकाई के रूप में विकसित किए बिना ही निजीकरण की दिशा में आगे बढ़ा गया, तो यह एक गलत नीतिगत निर्णय होगा। इससे न केवल प्रणाली की स्वतंत्रता प्रभावित होगी, बल्कि सुरक्षा मानकों पर भी सवाल उठ सकते हैं।एसोसिएशन ने यह भी चेतावनी दी कि यदि एएनएस एक निर्भर आंतरिक इकाई बनी रहती है और साथ ही निजी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करती है, तो यह संस्थागत असंतुलन पैदा करेगा। इसे जानबूझकर बनाया गया ढांचागत नुकसान भी कहा जा सकता है।उन्होंने आगे कहा कि हवाई यातायात नियंत्रण जैसी संवेदनशील सेवा का विखंडन गंभीर समस्या पैदा कर सकता है। इससे जवाबदेही, संचालन में एकरूपता और समग्र प्रणाली की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है।

राघव चड्ढा : डर नहीं, घृणा से छोड़ी पार्टी"

आम आदमी पार्टी से अलग होकर भाजपा में शामिल होने के बाद राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने अपनी पूर्व पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उन्होंने पार्टी "डर से नहीं, बल्कि घृणा और निराशा से" छोड़ी है। चड्ढा ने उन दावों को खारिज किया जिसमें कहा जा रहा था कि नेताओं ने दबाव में आकर पार्टी छोड़ी है। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी को बनाने में उन्होंने कभी योगदान दिया था, अब उसमें ईमानदार और मेहनती कार्यकर्ताओं के लिए कोई जगह नहीं बची है। उनके अनुसार पार्टी अपने मूल सिद्धांतों और विचारधारा से भटक चुकी है और गलत दिशा में आगे बढ़ रही है। चड्ढा ने दावा किया कि कई सांसद एक साथ पार्टी छोड़ रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि संगठन अब भ्रष्ट और समझौतावादी हाथों में चला गया है। उन्होंने कहा कि सात सांसदों का एक साथ इस्तीफा इस बात का संकेत है कि असंतोष गहरा है। अपने राजनीतिक सफर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें लंबे समय से यह महसूस हो रहा था कि वे "गलत पार्टी में सही व्यक्ति" हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अब उनके पास राजनीति छोड़ने या सकारात्मक राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने का ही विकल्प बचा था।

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच

पाकिस्तान में कूटनीतिक वार्ता तेज

अब्बास अराघची के इस्लामाबाद दौरे के साथ ईरान, अमेरिका और उनके सहयोगी देशों के बीच नए कूटनीतिक प्रयास तेज हो गए हैं। इन वार्ताओं में पाकिस्तान को एक अहम मध्यस्थ की भूमिका दी गई है। अराघची ने पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात कर ईरान की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़े मुद्दों पर कड़ा रुख दोहराया। सूत्रों के अनुसार, ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी शर्तों से पीछे नहीं हटेगा और किसी भी समझौते में उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि होगी। वहीं अमेरिका की ओर से विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जारेड कुशनर भी पाकिस्तान पहुंच रहे हैं, जहां वे अप्रत्यक्ष वार्ता में भाग लेंगे। हालांकि ईरान ने अमेरिका के साथ सीधी बातचीत से इनकार करते हुए पाकिस्तान के माध्यम से ही संवाद की बात कही है। इस्लामाबाद में इन वार्ताओं को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। प्रमुख सड़कों पर पाबंदियां और "रेड जोन" में भारी सुरक्षा के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। यह हालात पिछले दौर की बातचीत जैसे ही हैं, जो बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हुई थी। इस बीच क्षेत्रीय तनाव भी बढ़ा हुआ है। होरमुज जलडमरूमध्य में सैन्य गतिविधियों के चलते वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हुई है। इजरायल और लेबनान के बीच संघर्ष भी जारी है, जिससे स्थिति और जटिल हो गई है। वहीं कतर और अन्य खाड़ी देशों ने भी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने देश की एकता की सराहना करते हुए कहा कि ईरान किसी दबाव में झुकने वाला नहीं है।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

अमित शाह का ममता बनर्जी पर बड़ा हमला,

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर उठाए सवाल

अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्धमान जिले के जमालपुर गांव में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाए और तृणमूल कांग्रेस सरकार पर कानून-व्यवस्था बिगड़ने का आरोप लगाया। शाह ने अपने भाषण में कहा कि पिछले 15 वर्षों के शासन में सबसे अधिक पीड़ा महिलाओं और बेटियों को झेलनी पड़ी है। उन्होंने आरजी कर मेडिकल कॉलेज, संदेशखाली, कलकत्ता लॉ कॉलेज और दुर्गापुर कॉलेज जैसी घटनाओं का उल्लेख करते हुए दावा किया कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े हैं। गृह मंत्री ने कहा कि ममता बनर्जी यह सलाह देती हैं कि महिलाएं शाम 7 बजे के बाद घर से बाहर न निकलें, जो उनकी सरकार की विफलता को दर्शाता है। उन्होंने वादा किया कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो स्थिति पूरी तरह बदल दी जाएगी और महिलाएं देर रात तक भी सुरक्षित रूप से बाहर रह सकेंगी।शाह ने यह भी कहा कि किसी भी भाजपा शासित राज्य में ऐसी पाबंदी नहीं लगाई जाती और वहां महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने ममता सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में असफल रहने का आरोप लगाया।रैली में उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और महिलाओं को डर के माहौल से बाहर निकाला जाएगा।

मोदी सरकार का बड़ा फैसला, नीति आयोग का पुनर्गठन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी और अन्य सदस्यों को बधाई दी। आयोग के पुनर्गठन के तहत नई टीम को जिम्मेदारी दी गई है। लाहिड़ी ने पदभार संभालने के बाद पीएम से मुलाकात की, जिससे भविष्य की नीतियों और आर्थिक रणनीतियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नीति आयोग के नव-नियुक्त उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी और अन्य पूर्णकालिक सदस्यों को बधाई दी। यह नियुक्तियाँ देश की नीति-निर्माण प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में लाहिड़ी से मुलाकात भी की, जो इस नई भूमिका में उनकी पहली आधिकारिक बैठक थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि नीति आयोग भारत की नीति-निर्माण संरचना का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि यह संस्थान सहकारी संघवाद को मजबूत करने, सुधारों को आगे बढ़ाने और 'जीवन की सुगमता' को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। इसके साथ ही नीति आयोग को उन्होंने नवाचार और दीर्घकालिक रणनीतिक सोच के लिए एक गतिशील मंच बताया।प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है और इस प्रक्रिया में नए सदस्यों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। उन्होंने राजीव गौबा, के. वी. राजू, गोबर्धन दास, अभय करंदीकर और एम. श्रीनिवास को पूर्णकालिक सदस्य बनाए जाने पर शुभकामनाएँ दीं। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि ये सभी सदस्य अपने अनुभव और विशेषज्ञता के माध्यम से देश की नीतियों को नई दिशा देंगे और एक प्रभावशाली कार्यकाल निभाएंगे। पदभार ग्रहण करने के बाद अशोक लाहिड़ी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। हालांकि इस बैठक का विस्तृत विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि नीति आयोग देश की आर्थिक नीतियों और विकास रणनीतियों को आकार देने में केंद्रीय भूमिका निभाता है। यह मुलाकात भविष्य की नीतिगत प्राथमिकताओं और सुधारों के संकेत भी दे सकती है। अशोक लाहिड़ी का नाम देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों में लिया जाता है। उनका शैक्षणिक और पेशेवर अनुभव बेहद समृद्ध रहा है। वे प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्र विभाग के पूर्व छात्र रहे हैं और उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में भी अध्ययन किया है। इसके अलावा उन्होंने एशियन डेवलपमेंट बैंक, बंधन बैंक और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में शोध, शिक्षण और नेतृत्व से जुड़े महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। लाहिड़ी के अलावा, पश्चिम बंगाल से जुड़े वैज्ञानिक गोबर्धन दास को भी नीति आयोग का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है, जो इस थिंक टैंक में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को और मजबूत करने का संकेत देता है।इस बीच, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के वरिष्ठ सलाहकार दिलीप मंडल ने भी लाहिड़ी को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि डॉ. अशोक लाहिड़ी जैसे अनुभवी अर्थशास्त्री का नीति आयोग में आना देश के लिए लाभकारी होगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि लाहिड़ी न केवल एक प्रख्यात अर्थशास्त्री हैं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े व्यक्ति भी हैं। कुल मिलाकर, नीति आयोग के इस पुनर्गठन को भारत की नीति-निर्माण प्रक्रिया में एक नई ऊर्जा के रूप में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अनुभवी और विविध पृष्ठभूमि वाले इन सदस्यों के साथ आयोग आने वाले समय में आर्थिक सुधारों, विकास योजनाओं और नवाचार को नई गति दे सकता है।

कैंसर से जंग जीते नेतन्याहू

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुलासा किया है कि हाल ही में उनका प्रोस्टेट कैंसर के शुरुआती चरण का सफल इलाज हुआ है। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने वार्षिक मेडिकल रिकॉर्ड जारी करने में करीब दो महीने की देरी की, ताकि पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के दौरान ईरान इस जानकारी का गलत इस्तेमाल न कर सके। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किए गए संदेश में नेतन्याहू ने कहा कि उनकी सेहत अब पूरी तरह ठीक है और प्रोस्टेट से जुड़ी समस्या खत्म हो चुकी है। उन्होंने बताया कि एक साल पहले बढ़े हुए बिनाइन प्रोस्टेट की सर्जरी के बाद वे लगातार मेडिकल निगरानी में थे। हाल ही में जांच के दौरान डॉक्टरों को एक छोटा सा धब्बा मिला, जिसका आकार एक सेंटीमीटर से भी कम था। आगे की जांच में यह शुरुआती चरण का मैलिग्नेंट ट्यूमर निकला, जो न तो फैला था और न ही उसमें मेटास्टेसिस के संकेत थे। नेतन्याहू ने बताया कि उन्होंने विशेष इलाज का विकल्प चुना, जिससे ट्यूमर पूरी तरह समाप्त हो गया। उन्होंने कहा कि इलाज के दौरान उन्होंने सामान्य दिनचर्या जारी रखी और अब वह पूरी तरह स्वस्थ हैं। साथ ही उन्होंने यरुशलम स्थित हदासाह अस्पताल के डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ का आभार व्यक्त किया।इस बीच, अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने एक बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि नेतन्याहू ने पहले कई अमेरिकी नेताओं के सामने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का प्रस्ताव रखा था।

भारत-न्यूजीलैंड FTA पर 27 अप्रैल को हस्ताक्षर, व्यापार को मिलेगी नई रफ्तार

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने घोषणा की है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर 27 अप्रैल को नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए जाएंगे। यह समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और व्यापार को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।लक्सन ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देगा और दोनों देशों के लिए नए अवसर पैदा करेगा। भारत और न्यूजीलैंड ने पिछले वर्ष 22 दिसंबर को इस समझौते पर वार्ता पूरी होने की घोषणा की थी। अब इसके औपचारिक हस्ताक्षर के साथ यह समझौता लागू होने की दिशा में आगे बढ़ेगा।इस FTA का मुख्य उद्देश्य भारतीय निर्यातकों को न्यूजीलैंड के बाजार में अधिक अवसर प्रदान करना है। समझौते के तहत भारत को अपने 100 प्रतिशत निर्यात पर न्यूजीलैंड में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जिससे भारतीय उद्योगों और कारोबारियों को बड़ा लाभ होगा। वहीं, भारत

भी न्यूजीलैंड के लगभग 95 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क समाप्त या कम करेगा। न्यूजीलैंड से आने वाले जिन उत्पादों पर शुल्क में छूट या कमी की जाएगी, उनमें ऊन, कोयला, लकड़ी, वाइन, एवोकाडो और ब्लूबेरी जैसे प्रमुख उत्पाद शामिल हैं। इससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है। इसके अलावा, इस समझौते से अगले 15 वर्षों में करीब 20 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की संभावना जताई गई है, जो दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगा। साथ ही, इसका लक्ष्य अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को पांच अरब डॉलर तक दोगुना करना है।

वैश्विक ड्रग तस्करी पर करारा प्रहार, भारतीय एजेंसियों को बड़ी सफलता

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय ऑपरेशन में तुर्की की सुरक्षा एजेंसियों ने इस्तांबुल में भारतीय ड्रग माफिया के कथित सरगना सलीम डोला को गिरफ्तार कर लिया है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए इसे वैश्विक ड्रग तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता बताया है। माना जा रहा है कि डोला एक व्यापक अंतरराष्ट्रीय नशीले पदार्थों के नेटवर्क का अहम हिस्सा था, जिसकी पहुंच कई देशों तक फैली हुई है। सूत्रों के अनुसार, सलीम डोला लंबे समय से एक बड़े ड्रग सिंडिकेट का संचालन कर रहा था और विदेशों से ही अपने नेटवर्क को नियंत्रित करता था। जांच एजेंसियों का मानना है कि उसका नेटवर्क सिंथेटिक ड्रग्स के वैश्विक व्यापार से जुड़ा हुआ था, जिसकी सप्लाई चेन भारत सहित कई क्षेत्रों तक फैली हुई थी। देश से बाहर रहते हुए भी वह भारत में ड्रग्स की आपूर्ति के लिए एक संगठित चैनल को संचालित कर रहा था।इस मामले का सबसे गंभीर पहलू डोला के कथित संबंध कुख्यात अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के नेटवर्क से जुड़े होने का है।

अधिकारियों का कहना है कि यह संबंध संगठित अपराध और अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी के बीच गहरे गठजोड़ की ओर इशारा करता है, जिस पर एजेंसियां लंबे समय से नजर रख रही थीं। डोला मूल रूप से मुंबई में सक्रिय था, लेकिन बाद में उसने दुबई को अपना ठिकाना बना लिया और वहीं से अपने अवैध कारोबार को संचालित करता रहा। वर्ष 2025 में मुंबई पुलिस ने उसके नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसके कई करीबी सहयोगियों को गिरफ्तार किया था और उसके परिवार के कुछ सदस्यों को भी हिरासत में लिया गया था।

H-1B वीज़ा पर बड़ा प्रहार: नए बिल से विदेशी प्रोफेशनल्स पर असर

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका में इमीग्रेशन नीति को लेकर एक बड़ा बदलाव सामने आ सकता है, जो खासतौर पर विदेशी प्रोफेशनल्स, विशेषकर भारतीयों के लिए चिंता का विषय बन गया है। रिपब्लिकन नेता एलिक क्रेन ने "H-1B वीज़ा अब्यूज एक्ट 2026" नामक एक नया बिल पेश किया है, जिसका उद्देश्य मौजूदा H-1B visa program सिस्टम में व्यापक बदलाव करना है। इस प्रस्ताव के तहत हर साल जारी होने वाले H-1B वीज़ा की संख्या को 65,000 से घटाकर 25,000 करने की बात कही गई है। साथ ही वर्तमान लॉटरी सिस्टम को समाप्त कर चयन प्रक्रिया को वेतन-आधारित बनाने का सुझाव दिया गया है, जिसमें अधिक वेतन पाने वाले आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी। नए नियमों के अनुसार कंपनियों को यह साबित करना होगा कि उन्हें कोई योग्य अमेरिकी कर्मचारी नहीं मिला और उन्होंने हाल ही में किसी कर्मचारी की छंटनी नहीं की है। इसके अलावा H-1B वीज़ा धारकों को एक से अधिक नौकरियाँ करने की अनुमति नहीं होगी और थर्ड-पार्टी एजेंसियों के जरिए भर्ती पर भी रोक लगाने का प्रस्ताव है। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि इस वीज़ा को पूरी तरह अस्थायी बनाने की दिशा

में कदम उठाया गया है। प्रस्ताव के मुताबिक, H-1B वीज़ा धारक अपने परिवार को अमेरिका नहीं ला पाएंगे और इस वीज़ा को ग्रीन कार्ड में बदलने का रास्ता भी बंद किया जा सकता है। साथ ही, 'ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग' (OPT) प्रोग्राम को समाप्त करने और वीज़ा बदलने से पहले देश छोड़ने की अनिवार्यता जैसे प्रावधान भी शामिल हैं। इमीग्रेशन विशेषज्ञ रोजमरी जेनेक्स का मानना है कि यदि कर्मचारियों को कुछ वर्षों बाद वापस भेजा जाएगा, तो कंपनियों की लागत बढ़ेगी और वे अमेरिकी नागरिकों को प्राथमिकता देने लगेंगी। इस बिल को ब्रेंडन ग्रिल सहित कई रिपब्लिकन नेताओं का समर्थन मिला है। यदि यह बिल पारित होता है, तो यह न केवल नीति में बड़ा बदलाव होगा, बल्कि अमेरिका में काम करने का सपना देखने वाले लाखों युवाओं के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है।

संपादक की कलम से

भारत जैसे युवा देश के लिए बेरोजगारी एक गंभीर और चिंताजनक समस्या बन चुकी है। हर वर्ष लाखों छात्र अपनी शिक्षा पूरी करके रोजगार की तलाश में निकलते हैं, लेकिन अवसरों की कमी और प्रतिस्पर्धा के कारण उन्हें निराशा का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति न केवल आर्थिक विकास को प्रभावित करती है, बल्कि सामाजिक असंतुलन को भी जन्म देती है। बेरोजगारी के कई कारण हैं। सबसे प्रमुख कारणों में से एक है शिक्षा और उद्योग के बीच तालमेल की कमी। आज भी हमारे कई शैक्षणिक संस्थान ऐसे पाठ्यक्रम पढ़ा रहे हैं, जो वर्तमान बाजार की आवश्यकताओं से मेल नहीं खाते। परिणामस्वरूप, युवाओं के पास डिग्री तो होती है, लेकिन वे कौशल की दृष्टि से पीछे रह जाते हैं। इसके अलावा, जनसंख्या वृद्धि भी बेरोजगारी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब रोजगार के अवसर सीमित हों और नौकरी चाहने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जाए, तो समस्या का गहराना स्वाभाविक है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों की कमी के कारण लोग शहरों की ओर पलायन करते हैं, जिससे शहरी बेरोजगारी और बढ़ जाती है। तकनीकी विकास भी इस समस्या को एक नई दिशा दे रहा है। जहां एक ओर नई तकनीकों ने कार्य को सरल और तेज बनाया है, वहीं दूसरी ओर कई पारंपरिक नौकरियों को समाप्त भी कर दिया है। ऑटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते उपयोग के कारण कम श्रमिकों में अधिक काम संभव हो गया है, जिससे रोजगार के अवसरों में कमी आई है। इस समस्या का समाधान बहुआयामी प्रयासों से ही संभव है। सबसे पहले, शिक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है, ताकि विद्यार्थियों को व्यावसायिक और कौशल आधारित प्रशिक्षण दिया जा सके। 'स्किल डेवलपमेंट' कार्यक्रमों को बढ़ावा देकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। सरकार को भी नए उद्योगों और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देना चाहिए, जिससे रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हों। ग्रामीण क्षेत्रों में लघु और कुटीर उद्योगों का विकास भी रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके अलावा, स्वरोजगार को बढ़ावा देकर युवाओं को नौकरी मांगने के बजाय नौकरी देने वाला बनाया जा सकता है। समाज की भी जिम्मेदारी है कि वह युवाओं को सकारात्मक दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करे। परिवार और शिक्षकों को चाहिए कि वे युवाओं को उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार सही करियर चुनने में सहायता करें।अंततः, बेरोजगारी केवल एक आर्थिक समस्या नहीं है, बल्कि यह देश के भविष्य से जुड़ा हुआ मुद्दा है। यदि युवा वर्ग को सही दिशा और अवसर नहीं मिले, तो यह स्थिति गंभीर सामाजिक समस्याओं को जन्म दे सकती है।

मुझे धमकाया गया, FIR वापस लेने का दबाव
मालीवाल का बड़ा खुलासा

स्वाति मालीवाल ने आम आदमी पार्टी छोड़ते हुए अरविंद केजरीवाल पर उत्पीड़न, हमले और FIR वापस लेने के दबाव के आरोप लगाए। उन्होंने पंजाब सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए और पार्टी को भ्रष्टाचार व दबाव की राजनीति से जुड़ा बताया।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

आम आदमी पार्टी (AAP) से अलग होने की घोषणा करते हुए स्वाति मालीवाल ने पार्टी नेतृत्व, विशेषकर अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मालीवाल ने कहा कि उन्होंने वर्ष 2006 से केजरीवाल के साथ काम किया और हर आंदोलन में उनका समर्थन किया, लेकिन समय के साथ उन्हें पार्टी के भीतर उत्पीड़न और दबाव का सामना करना पड़ा।मालीवाल ने दावा किया कि उनके ही घर में उनके साथ मारपीट की गई और जब उन्होंने इस घटना के खिलाफ आवाज उठाई तो उन्हें धमकाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना से संबंधित दर्ज एफआईआर वापस लेने के लिए उन पर लगातार दबाव बनाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी ने उन्हें दो वर्षों तक संसद में बोलने का अवसर नहीं दिया, जिसे उन्होंने बेहद शर्मनाक बताया। मालीवाल ने केजरीवाल पर महिला विरोधी होने का आरोप भी लगाया।अपने बयान में मालीवाल ने कहा, "मैंने वर्षों तक पूरी निष्ठा से काम किया, लेकिन बदले में मुझे अपमान और दबाव झेलना पड़ा। मेरे साथ जो हुआ, वह न केवल व्यक्तिगत रूप से पीड़ादायक है, बल्कि यह राजनीतिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है।" मालीवाल ने पंजाब में AAP सरकार की कार्यशैली पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार को दिल्ली से नियंत्रित किया जा रहा है और पंजाब को एक "निजी एटीएम" की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। उनके अनुसार, राज्य में रेत खनन और नशीली दवाओं की समस्या गंभीर स्तर पर पहुँच चुकी है। उन्होंने कहा कि जो भी नेता इन मुद्दों पर आवाज उठाते हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी जाती है। इसके साथ ही मालीवाल ने केजरीवाल पर भ्रष्टाचार और "गुंडागर्दी" की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पार्टी, जो कभी ईमानदारी और पारदर्शिता के नाम पर बनी थी, अब अपने मूल सिद्धांतों से भटक चुकी है।राजनीतिक बयानबाजी के दौरान मालीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना में केजरीवाल की आलोचना की। उन्होंने मोदी को विश्व का सबसे लोकप्रिय नेता बताया और महिला आरक्षण विधेयक तथा आतंकवाद विरोधी अभियानों जैसे निर्णयों के लिए उनकी सराहना की। साथ ही उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भी प्रशंसा की।मालीवाल के इन आरोपों ने राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा कर दी है। हालांकि, आम आदमी पार्टी की ओर से इन आरोपों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है।

"राहुल गांधी का RSS पर हमला, राम माधव के बयान पर मचा विवाद"

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता राम माधव की हालिया टिप्पणियों को लेकर तीखी आलोचना की है। राहुल गांधी ने आरएसएस को "राष्ट्रीय सरेंडर संघ" बताते हुए संगठन पर फर्जी राष्ट्रवाद का आरोप लगाया और कहा कि राम माधव की बातों ने संघ का "असल चेहरा" उजागर कर दिया है। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब राम माधव ने हडसन इंस्टीट्यूट में आयोजित "न्यू इंडिया" सम्मेलन के दौरान एक पैनल चर्चा में हिस्सा लिया। इस चर्चा में कर्ट कैंपबेल और एलिजाबेथ थ्रेलकेल्ड भी शामिल थे। चर्चा के दौरान राम माधव ने भारत की ऊर्जा और व्यापार नीतियों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि आलोचना के बावजूद भारत ईरान और रूस से तेल खरीदना बंद करने पर सहमत हो गया और 50 प्रतिशत टैरिफ पर भी सहमति जताई। इन बयानों के बाद राजनीतिक विवाद बढ़ गया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए नागपुर में "फर्जी राष्ट्रवाद" और अमेरिका में "चाटुकारिता" जैसे आरोप लगाए। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद राम माधव ने अपने बयान पर स्पष्टीकरण जारी किया और तथ्यात्मक त्रुटियों को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि भारत ने न तो रूस से तेल आयात बंद करने पर सहमति दी है और न ही 50 प्रतिशत टैरिफ को स्वीकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे दूसरे पैनलिस्ट के बयान का सीमित खंडन करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उनकी बात तथ्यात्मक रूप से गलत हो गई। इसके लिए उन्होंने माफी भी मांगी। इस बीच, सरकार ने पहले ही स्पष्ट किया था कि कच्चे तेल और एलपीजी के भंडार के मामले में भारत की स्थिति मजबूत है। साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए आपूर्ति में संभावित बाधा की स्थिति में अन्य स्रोतों से आपूर्ति बढ़ाने की तैयारी भी की जा रही है।

कुमार विश्वास और अन्ना हजारे का AAP नेतृत्व पर तीखा हमला

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

अप्रैल का महीना आम आदमी पार्टी के लिए गहरे सियासी संकट का संकेत बनकर उभरा है। पार्टी के भीतर असंतोष उस समय और खुलकर सामने आया जब प्रमुख नेता राघव चड्ढा ने लंबे समय का साथ छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का रुख कर लिया। इस घटनाक्रम ने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब पार्टी के भीतर मतभेद सामने आए हों। इससे पहले किरण बेदी, प्रशांत भूषण और योगेंद्र यादव जैसे संस्थापक और वरिष्ठ नेताओं ने आंतरिक लोकतंत्र और कार्यशैली पर सवाल उठाए थे। इसके अलावा कुमार विश्वास, शाजिया इल्मी, कपिल मिश्रा और अल्का लांबा जैसे कई प्रमुख चेहरे भी समय के साथ पार्टी से अलग हो चुके हैं। स्थिति और गंभीर तब हो गई जब 24 अप्रैल को सात राज्यसभा सदस्यों ने एक साथ पार्टी छोड़ दी। इस बड़े पैमाने पर इस्तीफों ने संकेत दिया कि पार्टी के भीतर लंबे समय से असंतोष पनप रहा था।इसी बीच कुमार विश्वास का एक वीडियो भी चर्चा में रहा, जिसमें उन्होंने रामधारी सिंह दिनकर की पंक्तियों के माध्यम से परोक्ष रूप से नेतृत्व पर निशाना साधा। उन्होंने संकेत दिया कि संगठन के भीतर वैचारिक समझौते और नेतृत्व की शैली ने इस स्थिति को जन्म दिया है। दूसरी ओर, सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने भी इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि पार्टी सही दिशा में चलती, तो इतने बड़े स्तर पर नेता उसे छोड़कर नहीं जाते। उन्होंने इसे नेतृत्व की विफलता बताया और कहा कि संगठन के भीतर गंभीर समस्याएं रही होंगी।

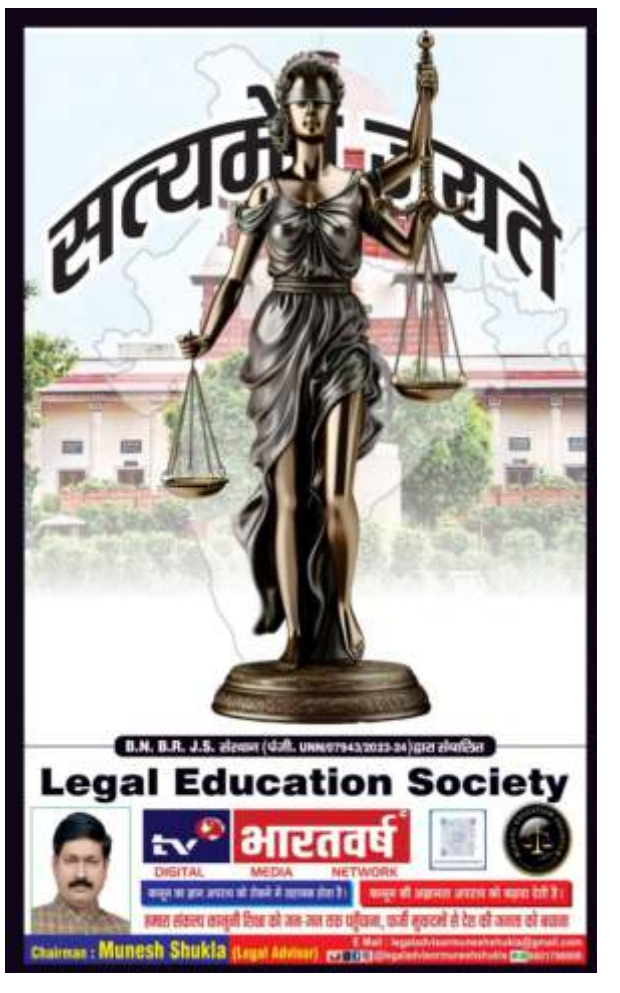

जियोस्टार का शानदार प्रदर्शन

मार्च तिमाही में 9,784 करोड़ का राजस्व

मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में डिजिटल क्रांति के बीच उभरकर सामने आए संयुक्त उद्यम जियोस्टार ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही (मार्च तिमाही) में उल्लेखनीय वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी ने इस अवधि में 9,784 करोड़ रुपये का सकल राजस्व और 419 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हासिल किया। यह प्रदर्शन न केवल कंपनी की व्यावसायिक मजबूती को दर्शाता है, बल्कि भारत में तेजी से बढ़ते डिजिटल मीडिया उपभोग की प्रवृत्ति को भी उजागर करता है। जियोस्टार का गठन रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और वॉल्ट डिज्नी के भारतीय मीडिया व्यवसायों के विलय से हुआ है। इस रणनीतिक साझेदारी ने भारत के मीडिया परिदृश्य में एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी इकाई का निर्माण किया है, जो डिजिटल और पारंपरिक दोनों प्लेटफॉर्म पर अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का वार्षिक सकल राजस्व 36,248 करोड़ रुपये रहा, जो इसके सतत विकास और बाजार में बढ़ती हिस्सेदारी को दर्शाता है। कंपनी के प्रदर्शन का एक प्रमुख आधार उसका सदस्यता (सब्सक्रिप्शन) मॉडल रहा है। डिजिटल और टीवी दोनों प्लेटफॉर्म पर सदस्यता राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि मुख्य रूप से विविध खेल कार्यक्रमों, लोकप्रिय मनोरंजन फ्रेंचाइजी और उच्च गुणवत्ता वाले कंटेंट की उपलब्धता के कारण संभव हो सकी है। इससे यह स्पष्ट होता है कि उपभोक्ता अब प्रीमियम कंटेंट के लिए भुगतान करने को तैयार हैं, जो मीडिया उद्योग के लिए एक सकारात्मक संकेत है।खेल प्रसारण के क्षेत्र में जियोस्टार की स्थिति विशेष रूप से मजबूत है। कंपनी के पास प्रमुख क्रिकेट टूर्नामेंटों के प्रसारण अधिकार हैं, जो भारत जैसे क्रिकेट-प्रेमी देश में उसकी लोकप्रियता और दर्शक संख्या को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। तिमाही के दौरान कंपनी ने औसतन 50 करोड़ मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता दर्ज किए, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म की पहुंच और प्रभाव का प्रमाण है।विशेष रूप से आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप फाइनल के दौरान कंपनी ने एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया, जब 7.25 करोड़ दर्शकों ने एक साथ इस मैच को देखा। यह आंकड़ा न केवल भारत में डिजिटल स्ट्रीमिंग की बढ़ती ताकत को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि बड़े खेल आयोजनों का प्रसारण मीडिया कंपनियों के लिए कितना महत्वपूर्ण राजस्व स्रोत बन चुका है।शैक्षिक दृष्टिकोण से देखें तो जियोस्टार का यह प्रदर्शन मीडिया और संचार अध्ययन के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण केस स्टडी प्रस्तुत करता है। यह दर्शाता है कि कैसे कंटेंट, तकनीक और रणनीतिक साझेदारी का समन्वय किसी भी कंपनी को प्रतिस्पर्धी बाजार में आगे बढ़ा सकता है। जियोस्टार की सफलता यह संकेत देती है कि भारत में मीडिया उद्योग तेजी से डिजिटल परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहाँ गुणवत्तापूर्ण कंटेंट, उपयोगकर्ता अनुभव और तकनीकी नवाचार भविष्य की सफलता की कुंजी होंगे।

भारतीय हॉकी के दिग्गज गुरबख्श सिंह नहीं रहे

भारतीय हॉकी के दिग्गज और ओलंपिक पदक विजेता गुरबख्श सिंह ग्रेवाल का 84 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। शुक्रवार को पंजाब के जीरकपुर में उन्हें दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से भारतीय खेल जगत, विशेष रूप से हॉकी समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है। गुरबख्श सिंह ग्रेवाल भारतीय हॉकी के उन महान खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं, जिन्होंने देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव दिलाया। उन्होंने 1968 के ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस दौर में भारतीय हॉकी अपनी शानदार विरासत के लिए जानी जाती थी, और गुरबख्श सिंह जैसे खिलाड़ी इस सफलता के प्रमुख स्तंभ थे।उनकी एक खास पहचान यह भी रही कि उन्होंने अपने भाई बलबीर सिंह ग्रेवाल के साथ एक ही ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह उपलब्धि उन्हें उन चुनिंदा भाईयों की सूची में शामिल करती है, जिन्होंने एक साथ ओलंपिक में देश के लिए खेला।खेल करियर के बाद भी गुरबख्श सिंह ग्रेवाल का योगदान जारी रहा। उन्होंने पश्चिमी रेलवे में खेल अधिकारी के रूप में कार्य किया और कई युवा प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया। विशेष रूप से राजस्थान के खिलाड़ियों को रेलवे हॉकी टीम में शामिल कराने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे खेल प्रशासन से जुड़े रहे और मुंबई हॉकी संघ में मानद सचिव के रूप में अपनी सेवाएं दीं। उनके मार्गदर्शन और अनुभव से कई खिलाड़ियों को लाभ मिला। गुरबख्श सिंह ग्रेवाल का निधन भारतीय हॉकी के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनका योगदान और उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेंगी।

केएल राहुल का ऐतिहासिक कारनामा,

IPL में 150 रन ठोकने वाले पहले भारतीय

लखनऊ सुपर जायंट्स को बड़ा झटका, एनरिख नॉर्खिया टूर्नामेंट से बाहर

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रदर्शन अब तक निराशाजनक रहा है। टीम ने सात मैचों में से केवल दो में जीत दर्ज की है और अंक तालिका में नौवें स्थान पर बनी हुई है। ऐसे में प्लेऑफ की राह पहले ही मुश्किल नजर आ रही थी, लेकिन अब टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिख नॉर्खिया चोट के कारण टूर्नामेंट के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, टीम के गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि नॉर्खिया अब पूरी तरह फिट नहीं हैं और आगे के मैचों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। भरत अरुण ने कहा कि लखनऊ की गेंदबाजी इकाई इस समय मुख्य रूप से भारतीय खिलाड़ियों पर आधारित है और टीम को अपने घरेलू गेंदबाजों पर पूरा भरोसा है। हालांकि, नॉर्खिया के बाहर होने से टीम के पास तेज गेंदबाजी में कोई विदेशी विकल्प नहीं बचा है, जो एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है। इससे पहले भी टीम को एक और झटका लगा था, जब वानिंदु हसरंगा चोट के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। उनकी जगह टीम ने दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर जॉर्ज लिंडे को शामिल किया था। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या टीम मैनेजमेंट नॉर्खिया के स्थान पर किसी नए विदेशी खिलाड़ी को टीम में शामिल करेगा या फिर मौजूदा भारतीय गेंदबाजों पर ही भरोसा बनाए रखेगा।

चोटिल कार्लोस अल्काराज फ्रेंच ओपन से बाहर,

फैंस को बड़ा झटका

विश्व के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने चोट के कारण इस साल के फ्रेंच ओपन से हटने का फैसला किया है। दाहिनी कलाई में चोट के चलते वह न केवल फ्रेंच ओपन, बल्कि इटालियन ओपन में भी हिस्सा नहीं लेंगे। अल्काराज ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए बताया कि हालिया मेडिकल जांच के बाद उन्होंने यह कठिन फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि इस समय सतर्क रहना और पूरी तरह फिट होने पर ध्यान देना ज्यादा जरूरी है। उनके अनुसार, यह उनके लिए मुश्किल समय है, लेकिन वह मजबूत वापसी करने को लेकर आश्वस्त हैं। स्पेन के इस स्टार खिलाड़ी को इस महीने बार्सिलोना ओपन के दौरान चोट लगी थी। पहले दौर का मैच जीतने के बावजूद उन्हें अगले ही दिन टूर्नामेंट से हटना पड़ा। इसके बाद उन्होंने मैड्रिड ओपन से भी नाम वापस ले लिया था। हाल ही में एक अवॉर्ड समारोह में भी उनकी कलाई पर पट्टी बंधी नजर आई थी, जहां

उन्हें विश्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अल्काराज ने इस साल की शुरुआत शानदार तरीके से की थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर बड़ा खिताब जीता था। इसके साथ ही वह चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ियों में शामिल हो गए थे। हालांकि, इसके बाद वह केवल एक खिताब ही जीत सके, जो उन्होंने फरवरी में दोहा में हासिल किया। इस बीच, यानिक सिनर ने उनके जल्द ठीक होने की कामना की है।

लगातार हार से दबाव में मुंबई, कप्तान हार्दिक पांड्या पर उठे सवाल

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का मौजूदा सीजन मुंबई इंडियंस के लिए अब तक बेहद निराशाजनक साबित हुआ है। टीम लगातार खराब प्रदर्शन के कारण दबाव में है और अब हर मैच उसके लिए "करो या मरो" की स्थिति बन चुका है।अब तक खेले गए सात मुकाबलों में मुंबई इंडियंस केवल दो ही जीत दर्ज कर सकी है। कागज पर मजबूत नजर आने वाली टीम—जिसमें हार्दिक पांड्या, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा जैसे बड़े नाम शामिल हैं—मैदान पर निरंतरता नहीं दिखा पाई है। सीजन की शुरुआत से पहले इस टीम को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन अब स्थिति बिल्कुल उलट नजर आ रही है। हाल ही में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में मुंबई को 103 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। यह हार टीम के आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी हारों में से एक मानी जा रही है। इस हार के बाद कप्तान हार्दिक पांड्या की रणनीति और फैसलों पर सवाल उठने लगे हैं। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने भी पांड्या की कप्तानी की आलोचना की है। उन्होंने खासतौर पर गेंदबाजी में बदलाव और युवा खिलाड़ियों के उपयोग को लेकर सवाल खड़े किए। पठान का मानना है कि अहम मौकों पर लिए गए फैसलों में स्पष्टता की कमी रही, जिससे टीम को नुकसान उठाना पड़ा।टॉस के फैसले को लेकर भी आलोचना हो रही है। पिछले मैचों में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को फायदा मिल रहा था, फिर भी मुंबई ने लक्ष्य का पीछा करने का फैसला लिया, जो उनके खिलाफ गया।बल्लेबाजी में भी कप्तान हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। उन्होंने इस सीजन में छह पारियों में केवल 97 रन बनाए हैं। इरफान पठान ने उनकी बल्लेबाजी तकनीक पर भी सवाल उठाते हुए

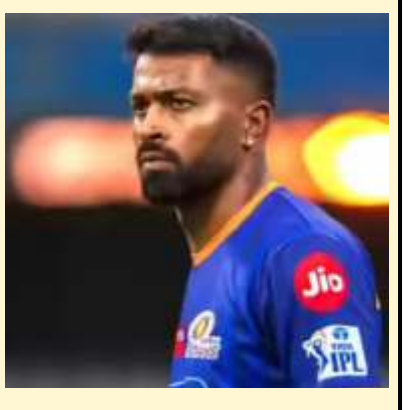

कहा कि कठिन परिस्थितियों में उन्हें अपनी तकनीक में सुधार करने की जरूरत है।कुल मिलाकर, मुंबई इंडियंस इस समय एक कठिन दौर से गुजर रही है। यदि टीम को टूर्नामेंट में वापसी करनी है, तो उसे अपनी रणनीति, संयम और प्रदर्शन—तीनों में जल्द सुधार करना होगा, वरना प्लेऑफ की उम्मीदें धुंधली हो सकती हैं।

नागपुर के युवाओं का फिटनेस अंदाज वायरल

चलती मेट्रो बनी जिम!

चलती मेट्रो में सफर के दौरान युवाओं ने दंड-बैठक लगाकर फिटनेस का अनोखा अंदाज दिखाया, जिसे देखकर यात्री हैरान रह गए और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया.

नागपुर से एक अनोखी और प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई है, जहां मेट्रो ट्रेन के डिब्बे में सफर कर रहे कुछ फिटनेस फ्रेक युवाओं ने अपने समय का ऐसा उपयोग किया, जिसने हर किसी का ध्यान खींच लिया। इन युवाओं ने चलते मेट्रो को ही अपना जिम बना दिया और दंड-बैठक के साथ जमकर व्यायाम करते नजर आए। तेजी से भागती जिंदगी में अक्सर लोग समय की कमी का हवाला देकर फिटनेस को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन नागपुर के इन युवाओं ने इस सोच को पूरी तरह बदल दिया.

सफर के दौरान उन्होंने न केवल अपने समय का सही इस्तेमाल किया, बल्कि यह भी दिखाया कि फिट रहने के लिए अलग से समय निकालना जरूरी नहीं है, बल्कि इच्छाशक्ति होनी चाहिए.

मेट्रो के डिब्बे के अंदर का यह नजारा वहां मौजूद यात्रियों के लिए काफी अलग और दिलचस्प था. कुछ लोग हैरानी से यह सब देखते रहे, तो कुछ ने अपने मोबाइल फोन निकालकर इस पल को कैद कर लिया. कई यात्रियों ने युवाओं के इस जज्बे की सराहना भी की और इसे एक सकारात्मक पहल बताया.

हालांकि, सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की गतिविधियों को लेकर सुरक्षा और नियमों का पालन करना भी उतना ही जरूरी है. चलती मेट्रो में इस तरह व्यायाम करना किसी भी तरह के जोखिम को जन्म दे सकता है और इससे अन्य यात्रियों को असुविधा भी हो सकती है। ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है.

इसके बावजूद, नागपुर के इन युवाओं की यह पहल एक मजबूत संदेश देती है. यह दिखाती है कि अगर इरादा मजबूत हो, तो जगह और समय कोई मायने नहीं रखते. फिटनेस के लिए जरूरी है केवल जागरूकता और अनुशासन, जिसे इन युवाओं ने अपने तरीके से बखूबी पेश किया. ⊙

ठेंठ-मेजबान तैयार, मेहमानों का पता नहीं!

पाकिस्तान को अक्सर ऐसा देश माना जाता है जो आपदा में अवसर तलाशता है. इस बार पाकिस्तान के लिए मंच भी बड़ा है. दुनिया एक तरफ अमेरिका और ईरान के टकराव, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर खतरे और ईंधन संकट जैसी चिंताओं में उलझी है, तो दूसरी तरफ पाकिस्तान ने एंट्री मार ली है ये कह कर हम सुलह करवा देंगे. कुछ दिन का सीजफायर हुआ भी, लेकिन एक्सपर्ट्स पहले ही चेतावनी दे रहे हैं कि यह शांति कुछ ही दिनों की मेहमान है.फिर भी इस्लामाबाद का आत्मविश्वास देखने लायक है. ⊙

लोगों ने बताया मार्केटिंग स्टंट

करोड़ों की कार के बोनट पर घोला सीमेंट

क्या आपने कभी किसी को अपनी लग्जरी कार पर सीमेंट मिलाकर सड़क का गड्ढा भरते देखा है? बेंगलुरु में ऐसा ही एक वीडियो सामने आया है, जिसने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है. वीडियो में एक शख्स लाल रंग की पोर्शे कार रोकता है, फिर उसके बोनट पर ही सीमेंट और पानी डालकर घोल तैयार करने लगता है. इसके बाद वही घोल उठाकर सड़क के गड्ढे में डाल देता है. पहली नजर में यह नजारा चौंकाने वाला है, क्योंकि ऐसा लगता है कि वह अपनी महंगी कार को नुकसान पहुंचा रहा है.भारत में पोर्शे कार की कीमत लगभग 90 लाख रुपये से लेकर 3.8 करोड़ रुपये तक होती है. ⊙

अब सामने आई असली वजह

कोक से साफ किया विमान का शीशा!

हवाई जहाज को उड़ते देखना हमेशा लोगों को रोमांचित करता है, लेकिन हाल ही में एक ऐसा वीडियो वायरल हुआ जिसने लोगों को चौंका दिया. वीडियो में एक पायलट विमान के कॉकपिट के शीशे पर कोल्ड ड्रिंक डालकर उसे साफ करता नजर आया. यह देखकर सोशल मीडिया पर सवालों की बाढ़ आ गई-क्या सच में सोडा से प्लेन का शीशा साफ किया जाता है? वीडियो में दिखता है कि उड़ान से ठीक पहले पायलट कॉकपिट विंडशील्ड पर सोडा डालकर उसे साफ करता है. यह नजारा कई लोगों के लिए हैरान करने वाला था, क्योंकि आमतौर पर ऐसे काम के लिए खास केमिकल्स इस्तेमाल किए जाते हैं.

इसी पर एक एयरक्राफ्ट मैकेनिक मैक्स ने वीडियो शेयर कर

बताया कि यह सोडा वाटर या उससे मिलती-जुलती चीज हो सकती है, जिसका इस्तेमाल शीशा साफ करने के लिए किया गया.

एक अन्य पायलट श्वेत्ज़र के अनुसार, सोडा वाटर में मौजूद कार्बोनिक एसिड हल्की एसिडिटी पैदा करता है, जो जमे हुए गंदगी, कीड़े-मकोड़े और धब्बों को आसानी से हटाने में मदद करता है. सबसे खास बात यह है कि यह कॉकपिट के शीशे की कोटिंग को नुकसान नहीं पहुंचाता, इसलिए इसे एक सुरक्षित विकल्प माना जाता है.

यह वायरल वीडियो भले ही अजीब लगे, लेकिन यह दिखाता है कि कई बार पायलट्स परिस्थितियों के हिसाब से तेजी से फैसले लेते हैं. हालांकि, यह कोई स्टैंडर्ड तरीका नहीं है, लेकिन जरूरत पड़ने पर अपनाया गया एक पुराना और कारगर उपाय जरूर है. ⊙

शाहरुख़ ख़ान की 'किंग' का ऐलान,

24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक

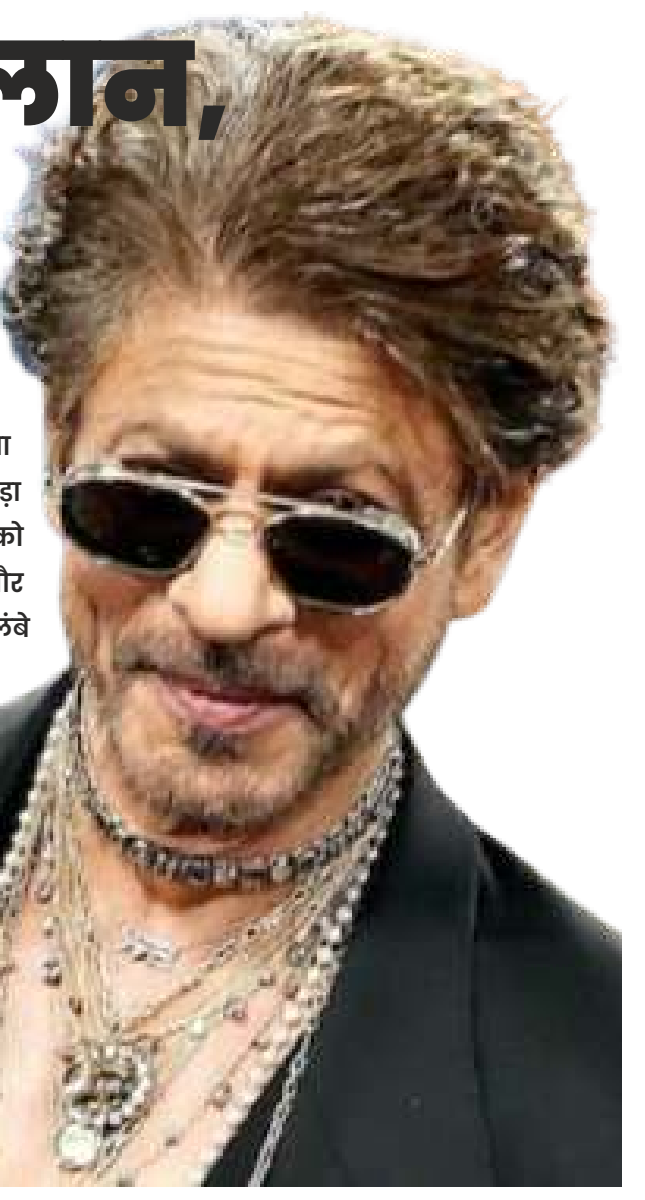

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख़ ख़ान के प्रशंसकों के लिए शुक्रवार का दिन किसी उत्सव से कम नहीं रहा। रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट ने सोशल मीडिया पर फिल्म 'किंग' का एक दमदार टीज़र जारी करते हुए इसकी रिलीज़ डेट की आधिकारिक घोषणा कर दी है। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 24 दिसंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।मेकर्स द्वारा साझा किए गए टीज़र ने दर्शकों के बीच उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है। टीज़र के साथ दिया गया कैप्शन—"एक ऐसी दहाड़ जो पूरे किंगडम को हिला दे"—फिल्म के भव्य और एक्शन से भरपूर अंदाज़ की झलक देता है। टीज़र में शाहरुख़ खान एक बिल्कुल नए और खतरनाक अवतार में नजर आ रहे हैं। सफेद बाल, तीव्र एक्शन सीक्वेंस और उनका संवाद "डर नहीं, दहशत हूँ" सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। इस फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं, जो इससे पहले 'पठान' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म्स दे चुके हैं। 'किंग' की एक खास बात यह भी है कि इसमें शाहरुख़ खान की बेटी सुहाना ख़ान बॉलीवुड में अपना बड़ा डेब्यू कर रही हैं। फिल्म की स्टार कास्ट भी बेहद दमदार है। इसमें रानी मुखर्जी, दीपिका पादुकोण, जैकी श्रॉफ, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, सौरभ शुक्ला, अरशद वारसी, राघव जुयाल और अभय वर्मा जैसे कलाकार शामिल हैं।इससे पहले भी फिल्म से जुड़ी कुछ झलकियां सामने आई थीं, जिनमें शाहरुख़ खान का नया लुक और बड़े पैमाने पर फिल्माए गए एक्शन दृश्य दर्शकों को काफी पसंद आए थे। नवंबर 2025 में अपने जन्मदिन के मौके पर शाहरुख़ खान ने यह भी पुष्टि की थी कि फिल्म में उनका और दीपिका पादुकोण का एक रोमांटिक एंगल भी देखने को मिलेगा। फिल्म का निर्माण रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट और माफ्लिक्स पिक्चर्स के बैनर तले किया जा रहा है। बड़े बजट, शानदार विज़ुअल्स और मजबूत स्टारकास्ट के कारण 'किंग' को 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में गिना जा रहा है। क्रिसमस के मौके पर रिलीज़ होने जा रही यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ा धमाका करने की क्षमता रखती है। दर्शकों को उम्मीद है कि 'किंग' एक्शन, स्टाइल और एंटरटेनमेंट का ऐसा संगम पेश करेगी, जो लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

बिजली व्यवस्था पर सख्ती

उपभोक्ताओं को राहत और 24×7 वैन की शुरुआत

वाराणसी में विद्युत व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने समीक्षा बैठक में ट्रिपिंग पर सख्त रुख अपनाते हुए निर्बाध बिजली आपूर्ति के निर्देश दिए।उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए छोटे कनेक्शन पर कटौती रोकने, रियायत देने और एसएमएस अलर्ट की व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए।साथ ही, फॉल्ट सुधार को तेज करने के लिए दो अत्याधुनिक 24×7 वैन की शुरुआत की गई, जिससे शहर में बिजली सेवाएं और बेहतर होंगी।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

योगी सरकार प्रदेश की बिजली व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार सख्त कदम उठा रही है। इसी क्रम में वाराणसी दौरे पर ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने शनिवार को सर्किट हाउस में ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक में ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी क्षेत्र में ट्रिपिंग स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही ऊर्जा मंत्री ने दो अत्याधुनिक '24×7 वैन' का उद्घाटन भी किया। समीक्षा बैठक में मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने विद्युत आपूर्ति को लेकर कार्यों में तेजी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। समीक्षा के दौरान ऊर्जा मंत्री ने विद्युत ट्रिपिंग को लेकर जरूरी निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वाराणसी के किसी भी क्षेत्र में ट्रिपिंग स्वीकार्य नहीं है। इसे सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्बाध एवं सुचारू विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए भी कहा है। ऊर्जा मंत्री ने अंडरग्राउंड केबलिंग कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती विद्युत मांग के अनुरूप योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा न हो। समीक्षा बैठक में मंत्री शर्मा ने कहा कि वाराणसी एक महत्वपूर्ण धार्मिक एवं पर्यटन नगरी है, इसलिए यहां की व्यवस्थाएं उच्च स्तर की होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं, जिससे आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इसके साथ ही बैठक के दौरान ऊर्जा मंत्री ने उपभोक्ता हितों को प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि 1 किलोवाट तक के विद्युत कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं का कनेक्शन नेगेटिव बैलेंस होने पर भी नहीं काटा जाएगा। साथ ही 2 किलोवाट तक के उपभोक्ताओं को अधिकतम 200 रुपये तक की रियायत प्रदान की जाएगी। ऊर्जा मंत्री ने निर्देशित किया कि किसी भी उपभोक्ता का कनेक्शन काटने से पूर्व अनिवार्य रूप से 5 चरणों में एसएमएस अलर्ट भेजे जाएं। इसके अतिरिक्त रविवार और अन्य सार्वजनिक अवकाशों पर नेगेटिव बैलेंस की स्थिति में भी विद्युत आपूर्ति बाधित न की जाए। ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को इन प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके और व्यवस्था पारदर्शी बनी रहे। बैठक के दौरान मेयर अशोक तिवारी, एमडी पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम शंभू कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। वाराणसी जिले के उपभोक्ताओं को निर्बाध, सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता की बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा मंत्री ने शनिवार को शहर में दो अत्याधुनिक '24×7 वैन' का उद्घाटन भी किया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्युत फॉल्ट सुधार में लगने वाले समय को न्यूनतम करना है। इन दोनों विशेष वाहनों को हर प्रकार की तकनीकी चुनौती से निपटने के लिए आधुनिक सुरक्षा उपकरणों (सेफ्टी इक्यूपमेंट) और आवश्यक टी एंड पी किट से सुसज्जित किया गया है। वाराणसी में सही मायनों में 24×7 (24 घंटे) सेवाएं देने के लिए, इन वाहनों पर तैनात कर्मचारियों की टीम प्रतिदिन 8-8 घंटे की 3 शिफ्टों में कार्य करेगी। प्रत्येक शिफ्ट में सुपरवाइजर, लाइनमैन और हेल्पर सहित कुशल कर्मचारियों की टीम तत्पर रहेगी।

लखनऊ में गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड, पारा 41 डिग्री तक पहुंचने की संभावना

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में सीजन में आज पारा अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचेगा। सुबह से तेज धूप के साथ उमस का असर बना हुआ है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री के आसपास बना रहेगा। दिन में अधिकतर समय मौसम साफ रहेगा। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 39.8 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 1.3 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 21.5 डिग्री रहा। अधिकतम आर्द्रता 55 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 15 फीसदी दर्ज किया गया। लखनऊ में बीते 11 दिनों में 13 डिग्री तक तापमान में बढ़त दर्ज की गई है। इस बीच भीषण गर्मी के चलते लोग परेशान हो रहे हैं। बीते 8 अप्रैल को लखनऊ का अधिकतम तापमान 27 डिग्री रहा। यह सामान्य से 10.2 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 18.8 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.8 डिग्री कम रहा। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते मौसम का मिजाज बदला है। इस बीच लोगों को एहतियात बरत कर घर से बाहर निकलना चाहिए। लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक तापमान में अभी और बढ़त की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शुष्क पछुआ हवा का असर बढ़ने और महाराष्ट्र क्षेत्र में प्रति चक्रवात के असर से पारा में बढ़त की संभावना बनी हुई है।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों की भारी भीड़

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में होमगार्ड भर्ती परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों की भारी भीड़ देखने को मिली। आज से यूपी होमगार्ड भर्ती परीक्षा शुरू हो गई है। इसी बीच ट्रेन लेट होने के कारण सैकड़ों अभ्यर्थियों की परीक्षा छूट गई। बेगमपुरा एक्सप्रेस ट्रेन तकनीकी खराबी के चलते देर से चली, जिससे कई अभ्यर्थी समय पर परीक्षा केंद्र नहीं पहुंच सके। तेज धूप के बीच कई अभ्यर्थी सिर पर गमछा रखकर परीक्षा देने पहुंचे। लखनऊ में करीब 55 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। यह परीक्षा 25, 26 और 27 अप्रैल तक तीन दिन चलेगी। हर दिन दो पालियों में परीक्षा आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। पहली पाली की परीक्षा समाप्त हो गई है। परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों ने बताया कि पेपर आसान था और करीब 80% तक समझ में आया। हालांकि, केंद्र दूर होने के कारण उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।अभ्यर्थी सुबह 9 बजे से पहले ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने लगे थे। चेकिंग के बाद उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया। लखनऊ में करीब 1.33 लाख अभ्यर्थियों के लिए 55 केंद्र बनाए गए हैं। एक पाली में करीब 22 हजार अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रशासन और पुलिस ने परीक्षा को शांतिपूर्ण और

निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। यूपी पुलिस होमगार्ड के पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा को शांति से संपन्न कराने के लिए DCP पूर्वी दीक्षा शर्मा ने जोन के परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को कई दिशा निर्देश लिया ।सीतापुर से आए प्रशांत कुमार ने कहा कि जीके से सबसे ज्यादा सवाल पूछे गए और करंट अफेयर्स से संबंधित प्रश्न पूछे गए। नेशनल और इंटरनेशनल प्रश्न भी पूछ गए है।

महिला का शव झोपड़ी में मिला पति से अलग हुई थी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

ठाकुरगंज के रिंग रोड स्थित लालाबाग इलाके में शुक्रवार देर रात हरदोई के अतरौली के गौर गांव निवासी नीलम सक्सेना (42) का शव संदिग्ध हालात में खाली प्लॉट में बनी झोपड़ी में पड़ा मिला। भाई ने नीलम के प्रेमी संजय गौतम पर हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। नीलम के भाई ठाकुरगंज के मिश्री बगिया निवासी नरेश के अनुसार चार माह पहले नीलम का पति संजय सक्सेना से अलगाव हो गया था। उनकी तीन बेटियां हरदोई के अतरौली हयातगंज स्थित ननिहाल में रह रही हैं। नीलम कुछ समय से हरदोई के अतरौली कौड़िया निवासी प्रेमी संजय गौतम और आठ साल की बेटी निधि के साथ लिवइन में रहकर मजदूरी करती थी। शुक्रवार देर रात नीलम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शनिवार भोर में उनको खबर मिली कि नीलम की मौत हो गई है। खबर पाकर नीलम के भाई व अन्य लोग मौके पर पहुंच गए। भाई का कहना है कि बहन का शव नीला पड़ चुका था। उन्होंने बहन की हत्या की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी। हत्या की सूचना मिलते ही ठाकुरगंज पुलिस

मौके पर पहुंच गई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही प्रेमी संजय गौतम वहां से भाग निकला। पुलिस ने छानबीन के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुला लिया। भाई ने प्रेमी संजय गौतम पर बहन की हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। इंस्पेक्टर ठाकुरगंज ओमवीर सिंह ने बताया कि शरीर पर कोई भी चोट के निशान नहीं मिले हैं। नीलम की आठ साल की बेटी निधि के मुताबिक शुक्रवार रात में मां खाना खाकर सो गई थी। इसी बीच रात में संजय गौतम ने मां का गला दबा दिया, जिससे वह बेहोश हो गई। संजय गौतम दवा लाने का बहाना कर भाग निकला। इसके बाद उसे भी नींद आ गई। शनिवार भोर जब वह जागी तो देखा कि मां की मौत हो चुकी है।

लखनऊ पुलिस का बड़ा खुलासा

1180 बोरी पीओपी धोखाधड़ी का पर्दाफाश

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ पुलिस ने 1180 बोरी पीओपी (सकरनी ब्रांड) की धोखाधड़ी का खुलासा किया है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से पूरी 1180 बोरी पीओपी, दो मोटरसाइकिल और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। यह कार्रवाई मात्र 72 घंटे के भीतर की गई। पुलिस के अनुसार, यह धोखाधड़ी तब हुई जब राजस्थान से बाराबंकी जा रहे एक ट्रक को रास्ते में फोन कॉल कर रोका गया। आरोपियों ने खुद को फर्जी फर्म मालिक बताया और ट्रक चालक को गोसाईंगंज क्षेत्र में माल उतरवाने का झांसा दिया। इसके बाद, नकली मुंशी भेजने की बात कहकर चालक को विश्वास में लिया गया। कुछ ही देर बाद, तीन आरोपी डाला और ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने ट्रक से पीओपी की बोरियां उतरवाईं और उन्हें ग्राम कबीरपुर स्थित एक किराए के कमरे में छिपा दिया। घटना का खुलासा तब हुआ जब बाराबंकी स्थित असली फर्म से संपर्क किया गया और पता चला कि माल वहां पहुंचा ही नहीं है। शक होने पर ट्रक चालक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। प्रभारी निरीक्षक डी.के. सिंह के नेतृत्व में दो टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और सर्विलांस की मदद से आरोपियों तक पहुंची। 17 अप्रैल को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के बेली अंडरपास के पास से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

रामदास अठावले बोले-BJP 25 सीटें दें नहीं तो अकेले लड़ूंगा

रामदास आठवले की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) ने उत्तर प्रदेश में राजनीतिक जमीन मजबूत करने के लिए दलित वोट बैंक पर फोकस बढ़ा दिया है। पार्टी 26 नवंबर को संविधान दिवस पर लखनऊ में बड़ी रैली कर अपनी ताकत दिखाएगी। एक लाख कार्यकर्ताओं को जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। आठवले ने कहा कि पार्टी 62 जिलों में संगठन खड़ा कर चुकी है और अब भाजपा के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव में भूमिका निभाएगी। उन्होंने बसपा के कमजोर होने का दावा करते हुए कहा कि उनकी पार्टी भीमराव अम्बेडकर के सिद्धांतों पर चलकर वंचित समाज का समर्थन जुटाएगी। सीट बंटवारे और गठबंधन को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात तय है। वहीं, महिला आरक्षण मुद्दे पर अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा गया। आठवले ने साफ किया कि केंद्र में एनडीए की सहयोगी पार्टी होने के नाते RPI(A) उत्तर प्रदेश में भी भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ना चाहती है। उन्होंने 25 सीटों पर गठबंधन की इच्छा जताई, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि अगर उनकी मांग पूरी नहीं होती है तो पार्टी अकेले चुनाव मैदान में उतरने से पीछे नहीं हटेगी। डॉ. आठवले ने महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक के मुद्दे पर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि ये दल महिलाओं के विकास में बाधा डाल रहे हैं और उनका रुख महिला विरोधी रहा है। केंद्रीय मंत्री डॉ. रामदास आठवले ने कहा कि RPI(A) उत्तर प्रदेश में दलित, पिछड़े, दबे-कुचले और वंचित समाज की आवाज बनकर काम कर रही है। उनका आरोप था कि अन्य राजनीतिक दलों ने इन वर्गों के वोट तो लिए, लेकिन उनके विकास के लिए ठोस काम नहीं किया। आठवले ने प्रदेश सरकार से मांग की कि दलित बहुल गांवों में समाज भवन बनाए जाएं और उनका संचालन भी उसी समाज के लोगों को सौंपा जाए, ताकि उन्हें सीधे लाभ मिल सके। रामदास आठवले ने कहा कि भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आने वाले 26 नवंबर को डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में एक बड़ी रैली आयोजित की जाएगी, जिसमें एक लाख से अधिक लोग इकट्ठा होंगे। बहुजन समाज पार्टी का प्रभाव कम हुआ है और वर्तमान में लोकसभा में उनका एक भी सदस्य नहीं है। इसीलिए रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया उत्तर प्रदेश में जो काम करना चाहती है वह वंचितों के विकास के लिए है। हमारी पार्टी सभी जाति के लोगों को लेकर आगे बढ़ाने वाली है। अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी पूरी तरह से फेल हो चुकी है। मुलायम सिंह यादव होते तो स्थिति अलग होती। अखिलेश यादव को महिला आरक्षण पर समर्थन करना चाहिए था लेकिन इन लोगों ने जानबूझकर इस बिल को फेल करने का काम किया। महिलाओं के खिलाफ इन लोगों ने वोटिंग किया। 2023 में जब महिला आरक्षण बिल आया था तब इसका समर्थन करने की बात कही थी लेकिन अभी जब यह बिल लाया गया था तब सपोर्ट की बात कही गई थी और अब खिलाफ वोट दिया गया।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा का कड़ा निरीक्षण

डीएम-एसपी ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

टीवी भारतवर्ष, हाथरस

हाथरस 25 अप्रैल, 2026। उ0प्र0 पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा उत्तर प्रदेश होमगार्डस के पदों पर एनरोलमेंट-2025 की द्वितीय पाली के अंतर्गत चल रही लिखित परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराए जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अतुल वत्स ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा के साथ एम0जी0 पॉलीटेक्निक, हाथरस का निरीक्षण कर यथा स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक के साथ परीक्षा केन्द्र एम0जी0 पॉलीटेक्निक हाथरस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल रूम तथा स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से परीक्षा कक्षों में परीक्षा दे रहे परीक्षार्थियों का अवलोकन किया। इसके पश्चात् उन्होंने परीक्षा केन्द्र का भ्रमण कर परीक्षा कक्षों का निरीक्षण कर यथास्थिति का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि आज प्रातःकाल से ही पूरी टीम परीक्षा की व्यवस्थाओं का जायजा लेने हेतु सक्रिय रही तथा सायंकालीन पाली में भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही है। जनपद में कुल 12 केन्द्रों पर परीक्षा आयोजित की जा रही है, जो पूर्णतः पारदर्शी/शांतिपूर्ण एवं स्वच्छ वातावरण में संपन्न हो रही है। उन्होंने कहा कि ग्रीष्म ऋतु एवं बढ़ती गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए परीक्षार्थियों के लिए समुचित पेयजल व्यवस्था, छाया (शेड) की व्यवस्था तथा आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। साथ ही, प्रत्येक केन्द्र पर मेडिकल टीम की भी व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में परीक्षार्थियों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि परीक्षा का संचालन अत्यंत सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक किया जा रहा है तथा प्रशासन पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहा है। इस मौके पर जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को होमगार्ड्स भर्ती की लिखित परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए तथा केन्द्र व्यवस्थापकों को परीक्षा केन्द्रों पर मूलभूत सुविधा यथा पीने का पानी, बैठने व प्रकाश के उचित प्रबंध रखने के निर्देश दिये जिससे की परीक्षार्थियों को परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या का सामना ना करना पडे। निरीक्षण के दौरान सीओ सदर, सेक्टर, जोनल मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक आदि उपस्थित रहे। जनपद में 12 केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण एवं स्वच्छ वातावरण में आयोजित हो रही है। गर्मी को ध्यान में रखते हुए पेयजल, शेड और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं तथा प्रत्येक केंद्र पर मेडिकल टीम की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा का संचालन सुव्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है और प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो तथा परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

रैथाना गांव में चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के रैथाना गांव में चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाया। चोरों ने ताला तोड़कर लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर, कपड़े, बर्तन और नकदी चुरा ली। इसी रात चोरों ने एक अन्य घर में भी चोरी का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सके।

रैथाना निवासी ओम जी तिवारी और उनकी पत्नी प्रीति ने थाने में तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि वे अपने परिवार के साथ शुक्लागंज में रहकर प्राइवेट नौकरी करते हैं। रैथाना स्थित उनके बंद घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर चोर अंदर घुसे। चोरों ने तीन कमरों और बक्सों के ताले तोड़कर लगभग डेढ़ लाख रुपये के जेवर, बर्तन, कपड़े और 18 हजार रुपये नकद चुरा लिए। गांव में रहने वाले उनके भाई रवि ने उन्हें घटना की सूचना दी थी। उसी रात चोरों ने गांव के ही बच्चू शुक्ला के घर का भी ताला तोड़ा। हालांकि, घर के लोगों के जाग जाने के कारण चोर अंदर नहीं घुस पाए। इसके बाद चोर गांव के रामऔतार कोरी के दरवाजे पर खड़ी साइकिल भी उठा ले गए। कोतवाली प्रभारी राजपाल ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है और मामले की जांच की जा रही है।

हिन्दू महासभा ने यज्ञ हवन कर बंद गुरुकुलों को पुनः आरंभ करने का संकल्प लिया

टीवी भारतवर्ष, हाथरस

नई दिल्ली, लोदी रोड स्थित श्री रामायण विद्यापीठ के प्रांगण में अखिल भारत हिन्दू महासभा और श्री रामायण विद्यापीठ के पदाधिकारियों ने हवन यज्ञ कर गौरक्षा, धर्म रक्षा, राष्ट्र रक्षा, भारत की सांस्कृतिक धरोहर और सनातन धर्म के मूल्यों को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। की संयुक्त बैठक संपन्न हुई। हवन यज्ञ में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के उत्थान और गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित करने का उद्घोष किया गया। हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय धर्माचार्य प्रमुख महामंडलेश्वर स्वामी मंगलानंद जी महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वैदिक यज्ञ हवन संपन्न करवाया। हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रोफेसर यशपाल सिंह, राष्ट्रीय धर्माचार्य सहप्रमुख चन्द्र शेखर भट्ट, राष्ट्रीय प्रवक्ता मदन लाल गुप्ता, हिन्दू युवक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार, आर्यन ध्वज सहित भारी संख्या में उपस्थित पुरुष और महिला कार्यकर्ताओं ने यज्ञ में आहुति अर्पित की। हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता बी एन तिवारी ने आज जारी बयान में यह जानकारी देते हुए बताया कि बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी ने कहा कि पाश्चात्य शिक्षा प्रणाली और मदरसा शिक्षा प्रणाली को आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस ने गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को हतोत्साहित किया। राजकीय प्रोत्साहन के अभाव, विभिन्न प्रतिबंधों और अन्य कारणों से गुरुकुल शिक्षा केंद्र बंद हो गए। गुरुकुलों के बंद होने से आध्यात्मिक और सांस्कृतिक शिक्षा से सनातनी समाज का वंचित होना सनातन धर्म के लिए अभिशाप बन गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी ने देशवासियों से गुरुकुल चलो का आह्वान करते हुए सनातनी समाज को इस अभिशाप से मुक्त करवाने के लिए देश में बंद हो चुके गुरुकुलों को जनसहयोग से पुनः शुरू करने का उद्घोष किया। उन्होंने बैठक में उपस्थित हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय धर्माचार्य प्रमुख महामंडलेश्वर स्वामी मंगलानंद जी महाराज को बंद पड़े गुरुकुलों को पुनः आरंभ करने के राष्ट्रीय अभियान का नेतृत्व सौंपा। स्वामी मंगलानंद जी महाराज ने नेतृत्व का दायित्व संभालते हुए गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को पुनः देश की प्रमुख शिक्षा प्रणाली के रूप में स्थापित करने और देश के सभी नागरिकों के लिए गुरुकुल शिक्षा अनिवार्य बनाने का अभियान को अपनी प्राथमिकता में शामिल किया।

उन्नाव में जनऔषधि केंद्र पर ब्रांडेड दवाएं मिलने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में जनऔषधि केंद्र पर ब्रांडेड दवाएं मिलने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. सत्यप्रकाश ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दवाओं को सील कर दिया। यह घटना मरीजों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने के सरकारी दावे पर सवाल उठाती है। सरकार ने वर्ष 2018 में जनऔषधि योजना की शुरुआत की थी। इसका मुख्य उद्देश्य आम जनता को सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में जनऔषधि केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां जेनेरिक दवाएं बाजार की ब्रांडेड दवाओं के मुकाबले काफी कम कीमत पर उपलब्ध होती हैं।जिला अस्पताल स्थित जनऔषधि केंद्र के संचालन की जिम्मेदारी हाल ही में कानपुर की पीहू मेडिकल्स को सौंपी गई थी। 6 दिसंबर से केंद्र का संचालन शुरू होने के बाद से ही मरीजों द्वारा यहां महंगी दवाएं दिए जाने की शिकायतें लगातार सामने आ रही थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए, सीएमओ डॉ. सत्यप्रकाश ने शनिवार सुबह एसीएमओ डॉ. हरिनंदन प्रसाद के साथ औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जनऔषधि केंद्र में ब्रांडेड (पेटेंट) दवाएं पाई गईं, जिन्हें कथित तौर पर छिपाकर रखा गया था।ब्रांडेड दवाएं मिलने पर सीएमओ ने मौके पर मौजूद कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई। संदिग्ध दवाओं को गत्ते में भरकर सील कर दिया गया और उन्हें जिला अस्पताल के चिकित्साधीक्षक डॉ. संजीव कुमार को सुपुर्द कर दिया गया। सीएमओ डॉ. सत्यप्रकाश ने बताया कि जनऔषधि केंद्र में महंगी दवाएं बेचे जाने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिनकी जांच के दौरान पुष्टि हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और भविष्य में इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए, सीएमओ ने साचीज (SACHIJ) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को भी पत्र भेजा है। जनऔषधि केंद्रों के संचालन से संबंधित निविदाएं साचीज के माध्यम से ही जारी की गई थीं। अब आगे की कार्रवाई साचीज स्तर से की जाएगी।

सरकारी चकरोड भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के पुरवा तहसील क्षेत्र स्थित असेहरू गांव में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 30 लाख रुपये मूल्य की सरकारी चकरोड भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। इस कार्रवाई के बाद ग्रामीणों के लिए लंबे समय से बंद पड़ा रास्ता खुल गया, जिससे उन्हें राहत मिली है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव में चकरोड की इस जमीन पर कुछ लोगों ने लंबे समय से अवैध कब्जा कर रखा था। इससे आवागमन में भारी परेशानी हो रही थी। ग्रामीणों ने कई बार प्रशासन से शिकायत कर रास्ता खुलवाने की मांग की थी। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव ने मामले की जांच के आदेश दिए। राजस्व टीम की जांच में अवैध कब्जे की पुष्टि होने के बाद, एसडीएम के निर्देश पर राजस्व विभाग, पुलिस और प्रशासन की एक संयुक्त टीम गांव पहुंची। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर चलाकर चकरोड पर बने अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया और जमीन को कब्जे से मुक्त कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि कब्जामुक्त कराई गई इस जमीन की अनुमानित कीमत लगभग 30 लाख रुपये है। यह भूमि ग्राम समाज के चकरोड के रूप में दर्ज थी, जिसका उपयोग ग्रामीणों के आवागमन के लिए किया जाना था। अवैध कब्जे के कारण यह रास्ता पूरी तरह बाधित हो गया था। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध का प्रयास किया, लेकिन मौके पर तैनात पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित रखा। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई पूरी तरह नियमानुसार की गई है और सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गंगा एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज

बहुप्रतीक्षित गंगा एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। 29 अप्रैल को प्रस्तावित कार्यक्रम के मद्देनजर सीडीओ के नेतृत्व में एडीएम वित्त और अपर पुलिस अधीक्षक की टीम ने बांगरमऊ होते हुए हरदोई तक स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। लखनऊ मंडल के कमिश्नर की अध्यक्षता में हुई बैठक में सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और आमजन की सुविधाओं को लेकर विस्तृत योजना बनाई गई। कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता तय की गई है। क्षेत्राधिकारी (सीओ), थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्रों में सघन पेट्रोलिंग के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने गंगा एक्सप्रेस-वे को पूरी तरह अवरोध मुक्त रखने के निर्देश दिए हैं। उद्घाटन से पहले सभी इंटरचेंजों पर पुलिस बल तैनात रहेगा। कार्यक्रम के दौरान आम आवागमन पर अस्थायी रूप से पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाएगा, ताकि आयोजन सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। कार्यक्रम में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बड़े स्तर पर परिवहन व्यवस्था की गई है। उन्नाव, कन्नौज, शाहजहांपुर समेत अन्य जिलों से लोगों को लाने के लिए बसों का इंतजाम किया गया है। अकेले उन्नाव से करीब 500 बसों के जरिए लगभग 20 हजार लोगों को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए विधानसभा क्षेत्रवार जिम्मेदारियां तय की गई हैं। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए हर बस में एक कर्मचारी तैनात रहेगा। प्रत्येक 10 बसों पर एक पर्यवेक्षक और 50 बसों पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो पूरी व्यवस्था पर नजर रखेंगे।

यूपी में बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

निगेटिव बैलेंस पर भी 30 दिन तक नहीं कटेगा कनेक्शन

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए नए नियम लागू किए हैं।ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा के अनुसार, 1 किलोवाट तक के कनेक्शन निगेटिव बैलेंस होने पर भी 30 दिन तक नहीं काटे जाएंगे।साथ ही SMS अलर्ट व्यवस्था और 2 किलोवाट उपभोक्ताओं के लिए अतिरिक्त राहत से उपभोक्ता सुविधा और पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार लगातार बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने और उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए अहम कदम उठा रही है। इसी क्रम में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने विद्युत उपभोक्ताओं के हित में बड़ा निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि 1 किलोवाट तक के घरेलू विद्युत कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी गई है। अगर उनका बैलेंस निगेटिव हो जाता है, तब भी 30 दिनों तक उनका बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। ऊर्जा मंत्री ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं। यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से लागू की गई है। ऊर्जा मंत्री ने साफ किया कि निगेटिव बैलेंस की स्थिति में भी एक माह का चक्र पूरा होने से पहले किसी भी स्थिति में कनेक्शन विच्छेद नहीं किया जाएगा। साथ ही पारदर्शिता और उपभोक्ता सुविधा को ध्यान में रखते हुए कनेक्शन काटने से पूर्व उपभोक्ताओं को 5 अनिवार्य SMS अलर्ट भेजे जाएंगे। जिससे उन्हें समय रहते भुगतान का अवसर मिल सकेगा। इसके साथ ही 2 किलोवाट के कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को भी राहत प्रदान की गई है। ऐसे उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन 200 रुपए तक के माइनस बैलेंस पर नहीं काटा जाएगा। इनके लिए भी 5 चरणों में SMS सूचना प्रणाली लागू की गई है, जिससे किसी भी असुविधा से बचा जा सके। वहीं बढ़ती गर्मी को देखते हुए ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने सभी जिलों के अधिकारियों को विद्युत अनुरक्षण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में विद्युत आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किए गए हैं। अब तक लगभग 30 लाख नए विद्युत खंभे स्थापित किए जा चुके हैं। साथ ही ट्रांसफार्मरों की क्षमता में भी व्यापक वृद्धि की गई है। ऊर्जा मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाला राज्य बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि इस भीषण गर्मी में प्रदेश की जनता को बिजली की दृष्टि से किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। सरकार पूरी तरह से सजग है और निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।यूपी में एक किलोवॉट तक के बिजली उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर है। ऐसे उपभोक्ताओं के कनेक्शन अब निगेटिव बैलेंस के बावजूद भी 30 दिनों तक नहीं काटे जाएंगे।

पुलिस की वर्दी में चोरी करते पकड़ा गया कथित पुलिसकर्मी

मऊ के सरायलखंसी थाना क्षेत्र के पनियरा स्थित एक पेट्रोल पंप पर उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक कर्मचारी का मोबाइल रहस्यमय तरीके से गायब हो गया। पीड़ित कर्मचारी के अनुसार, वह रात में मोबाइल सिरहाने रखकर सोया था, लेकिन सुबह उठने पर मोबाइल गायब मिला। शक होने पर जब पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई, तो जो तस्वीर सामने आई, उसने सभी को हैरान कर दिया। फुटेज में साफ दिख रहा है कि सुबह करीब 4:25 बजे एक बाइक सवार पेट्रोल पंप के सामने रुकता है। वह पहले आसपास नजर दौड़ाता है, फिर धीरे-धीरे सो रहे कर्मचारी के पास पहुंचता है। कुछ पल तक इधर-उधर देखने के बाद वह व्यक्ति कर्मचारी के सिरहाने रखा मोबाइल उठाता है, उसे जेब में रखता है और मौके से फरार हो जाता है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि वीडियो में दिख रहा व्यक्ति पुलिस की वर्दी में नजर आ रहा है, जिससे लोगों के मन में कई सवाल खड़े हो गए हैं। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कोई कह रहा है "जब रक्षक ही भक्षक बन जाए तो आम आदमी कहां जाए?"। तो कोई सीधे तौर पर पुलिस व्यवस्था पर सवाल उठा रहा है। लोग बोल रहे "अब पुलिस ही चोरी करेगी तो सुरक्षा कौन देगा?"। वहीं कुछ लोग तंज कसते हुए कह रहे हैं कि "क्या वर्दी वालों की तनख्वाह इतनी कम हो गई है कि चोरी करनी पड़ रही है?" फिलहाल इस मामले में पुलिस का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। बताया जा रहा है कि होमगार्ड परीक्षा में व्यस्तता के चलते अभी तक संबंधित अधिकारी प्रतिक्रिया नहीं दे सके हैं। हालांकि, वीडियो वायरल होने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की मांग तेज हो गई है।

पंचायत चुनाव को लेकर हलचल तेज बढ़ सकता है ग्राम प्रधानों का कार्यकाल?

उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव को लेकर हलचल तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश सरकार ग्राम प्रधानों के कार्यकाल को लेकर जल्द बड़ा फैसला ले सकती है। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए सरकार प्रशासक समिति के जरिए ग्राम पंचायतों का संचालन जारी रखने के विकल्प पर विचार कर रही है। ग्राम प्रधानों का 5 साल का कार्यकाल 26 मई को समाप्त हो रहा है, लेकिन पंचायत चुनाव समय पर कराना चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में सरकार वैकल्पिक व्यवस्था लागू कर सकती है। बताया जा रहा है कि पंचायत चुनाव समय पर ना कराने की सबसे बड़ी वजह समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन ना होना है। इसके अलावा मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया भी पूरी नहीं हो पाई है। इन परिस्थितियों में तय समय पर पंचायत चुनाव कराना मुश्किल माना जा रहा है। इसी वजह से सरकार वैकल्पिक व्यवस्था पर मंथन कर रही है, जिससे ग्राम पंचायतों का कामकाज प्रभावित ना हो।पंचायती राज विभाग के नियमों के अनुसार, कार्यकाल समाप्त होने के बाद एडीओ (पंचायत) को प्रशासक बनाया जा सकता है, जो चुनाव होने तक ग्राम पंचायतों के कार्यों की जिम्मेदारी संभालता है। हालांकि इस बार सिर्फ प्रशासक नियुक्त करने के बजाय प्रशासक समिति बनाए जाने पर विचार किया जा रहा है। इस समिति में ग्राम प्रधान और पंचायत सदस्य जैसे जनप्रतिनिधियों को शामिल किया जा सकता है, ताकि स्थानीय स्तर पर कामकाज सुचारू रूप से चलता रहे। बताया जा रहा है कि मौजूदा हालात में पहली बार प्रशासक समिति को जिम्मेदारी सौंपने के मॉडल पर गंभीरता से विचार हो रहा है। चर्चा है कि इस समिति का अध्यक्ष मौजूदा ग्राम प्रधान को बनाया जा सकता है, जिससे प्रशासनिक निरंतरता बनी रहे। अगर यह व्यवस्था लागू होती है तो पंचायत चुनाव होने तक गांवों में विकास और प्रशासनिक कामकाज इसी व्यवस्था के तहत चलते रहेंगे।ओम प्रकाश राजभर ने इस मुद्दे पर कहा कि आगे की कार्रवाई पंचायती राज एक्ट और अदालत के रुख के अनुसार तय की जाएगी।

आगरामें मशहूर यूट्यूबर पीयूष मल्होत्रा के बेटे के साथ स्कूल में मारपीट

आगरामें मशहूर यूट्यूबर पीयूष मल्होत्रा के बेटे के साथ स्कूल में एक बच्चे ने मारपीट की। मारपीट में दूसरे छात्र ने बच्चे के मुंह पर पंच मारे, जिससे पीयूष मल्होत्रा के बेटे के तीन दांत टूट गए। जबड़े में भी चोट आई। आगरा के डीपीएस शास्त्रीपुरम स्कूल में शनिवार सुबह 10वीं कक्षा के दो छात्रों के बीच मारपीट हो गई। एक छात्र ने दूसरे छात्र के मुंह पर बार-बार पंच मारे, जिससे उसके तीन दांत टूट गए और जबड़े में गंभीर चोट आई। घायल छात्र के मुंह से खून बहने लगा और वह दर्द से चीखता रहा। घायल छात्र विश्वराज मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर पीयूष मल्होत्रा का बेटा है। पीयूष मल्होत्रा ने स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाते हुए अपने बेटे का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उन्होंने लिखा, 'यह डीपीएस आगरा है। मेरे बच्चे का यह हाल हुआ है। पूरा मुंह खत्म हो गया।' पीयूष मल्होत्रा ने बताया कि शनिवार सुबह साढ़े सात बजे स्कूल से फोन आया कि उनके बेटे को हल्की चोट लग गई है, उसे ले जाने को कहा गया। जब वे स्कूल पहुंचे तो देखा कि बेटे के मुंह से खून निकल रहा था। स्कूल की आया बस उसे पकड़कर बैठी थी और मुंह में रुई ठूंस दी गई थी। फर्स्ट एड तक नहीं दी गई। बच्चा दर्द से चिल्ला रहा था, लेकिन स्कूल प्रशासन ने उसे डॉक्टर को दिखाने की बजाय फोन पर कह दिया कि बच्चे को ले जाइए। पीयूष मल्होत्रा ने आगे आरोप लगाया कि प्रिंसिपल ने घायल बच्चे का हाल-चाल तक नहीं पूछा। उन्होंने कहा, 'स्कूल लाखों रुपये फीस लेता है, लेकिन बच्चों की सुरक्षा और देखभाल पर थोड़ा भी ध्यान नहीं देता। पैरेंट्स को सिर्फ दुधारू गाय समझा जाता है।' घटना के बाद घायल छात्र को आगरा के 'यथार्थ हॉस्पिटल' में भर्ती कराया गया, जहां उसका ऑपरेशन चल रहा है।